

पद ३२८

(राग: यमन जिल्हा - ताल: त्रिताल)

तेरी कैसी बनेगी बात रे ॥ध्रु.॥ संत संगत तोहे उपजत त्रास रे ।
फिरत दुष्ट के साथ रे ॥१॥ जिंदगी में सब दिन खोया । गिर गये
तेरे दांत रे ॥२॥ माणिक के मन लख चौरासी । फिर फिर गोते
खात रे ॥३॥